सम्मलेन जयपुर में कट्स के तत्वावधान में विस्तृत विचार-विमर्श

मजबूत होंगे भारत-अमरीका के रिश्ते

■ जयपुर

किसी भी क्षेत्र में चलने वाले सुधार निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन बाजारी ताकतों से संघर्ष कभी बेहतर विकल्प नहीं हो सकता। हालांकि उन्हें दशा और दिशा दी जा सकती है। ये विचार एवं सुझाव जयपुर में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न शैक्षणिक, अनुसंधान तथा व्यावसायिक संस्थानों के विद्वानों तथा प्रतिनिधियों के गहन विचार-विमर्श के दौरान सामने आए। इस सम्मेलन का आयोजन 'उत्तरी राज्यों में प्रतिस्पर्धा दृष्टिकोण का निर्माण: समावेशी तथा स्थाई विकास' विषय पर भारत में अमरीकी दूतावास तथा गैर सरकारी संगठन 'कट्स' (कन्ज्यूमर ट्रस्ट तथा यूटिलिटी सोसायटी) के तत्वावधान में किया गया था। सम्मेलन का शुभारंभ भारत में अमरीकी राजदूत रिचर्ड राहुल वर्मा तथा राजस्थान के शहरी विकास आवास एवं स्थानीय निकाय मंत्री राजपाल सिंह शेखावत ने किया। अमरीकी राजदूत रिचर्ड राहुल वर्मा ने अपने संबोधन में पिछले दो सालों के दौरान भारत-अमरीका के रिश्तों में आए सकारात्मक बदलाव पर चर्चा करते

विशेष टिप्पणी

हुए कहा कि भारत के बड़े मध्य वर्ग, स्नातकों तथा नौजवानों की बढ़ती संख्या और वर्ष 2030 तक जनसंख्या की दृष्टि से विश्व के सबसे बड़े देश के रूप में उभरने की संभावना से उद्योगों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि अमरीका के वर्तमान राष्ट्रपति ओबामा के बाद नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भारत-अमरीका के संबंधों में और मजबूती आएगी। राजस्थान के शहरी विकास आवास मंत्री राजपाल सिंह शेखावत ने जहां राजस्थान में औद्योगिक विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की, वहीं उन्होंने प्रतिस्पर्धा के लिए निपुणता एवं दक्षता को अनिवार्य बताया। दक्षता विकास को अहम बताते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान निवेश के दृष्टिकोण से मजबूत दावेदार के रूप में उभरकर सामने आया है। योजना आयोग के पूर्व सदस्य अरुण मायरा ने कहा कि बतौर देश भारत को रोजगार सृजन पर बल देने की जरूरत है। विश्व के मुकाबले भारत में रोजगार सृजन की रफ्तार धीमी है। इससे पूर्व कट्स के महासचिव प्रदीप एस मेहता ने उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि तथा प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि विकास की दृष्टि से उद्योगों तथा व्यापार को सरल बनाने पर ध्यान दिया जाना अनिवार्य है। इसके लिए सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योगों का वास्तविक विकास अनिवार्य है। इस अवसर पर अमरीका एंटीट्रस्ट संस्थान के संस्थापक एल्बर्ट एलन फोअर, सीआईआई (राजस्थान) के अध्यक्ष रजत अग्रवाल, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव एन्थैनी डिसूजा, अमरीकी दूतावास के उत्तरी भारत के निदेशक जोनादन कैसलर और कट्स के कार्यकारी निदेशक बिपुल चैटर्जी ने 'प्रतिस्पर्धा की आवश्यक्ता, महत्त्व और चुनौतियां-भारत में द्विअंकीय विकास की प्राप्ति हेतु परिवर्तन' पर अपने विचार एवं अनुभव साझा किए।

अजय पाराशर
क्षेत्रीय निदेशक (सूचना एवं जनसंपर्क विभाग)
धर्मशाला